

(४५)

कार्यपालय प्रमुख अभियन्ता

परियोजना का नाम:-

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-13 के अन्तर्गत धरासू-चिन्यालीसौड-जोगथ मोटर मार्ग से बगोड़ी मोटर मार्ग निर्माण (लम्बाई 2.85 किमी) हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव (कुल वन भूमि 1.655 है)।

भू-वैज्ञानिक की आख्या

(भू-वैज्ञानिक आख्या)

भू-वैज्ञानिक आख्या संलग्न है।

आख्या संख्या ३५ / २७४६ / १४

कनिष्ठ अभियन्ता,
पी० एम० जी० एस० वाई०,
सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी

सहायक अभियन्ता,
पी० एम० जी० एस० वाई०,
सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी

अधिशासी अभियन्ता,
पी० एम० जी० एस० वाई०,
सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी

PC Attached

पुनः २०१४

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सेबोडी मोटर मार्ग से बगोड़ी मोटर मार्ग के निर्माण
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

उत्तराखण्ड सरकार निम्नलिखित 2,850 किलोमीटर लम्बाई के धराएँ
विशेषज्ञों द्वारा आगे देखा गया है वह लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण होने वाले
पर्याप्त उत्तराखण्डी द्वारा किया जाना चाहता है इसका उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
मार्ग निर्माण की दृष्टि के द्वारा 2014 के सम्मिलित सहायता अनुबंध भी को सीधे मार्ग के लिए
निर्माण विभाग द्वारा दिया गया।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा बगोडी विकास विभाग द्वारा निर्माण विभाग
(भूगर्भीय आख्या)

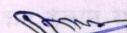
उत्तराखण्ड के लोक निर्माण विभाग द्वारा विकास विभाग के लिए धराएँ
द्वारा दिया गया के लिए धराएँ विकास विभाग द्वारा अग्रीय असुख स्थिकत भी किन्तु यहाँ में
विकास विभाग द्वारा दिया गया लोक निर्माण विभाग द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड सरकार समरेखन
लोक निर्माण विभाग द्वारा लोक निर्माण विभाग द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड सरकार की लोक
निर्माण विभाग द्वारा दिया गया लोक निर्माण विभाग द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड सरकार की
लोक निर्माण विभाग द्वारा दिया गया लोक निर्माण विभाग द्वारा दिया गया है। जो

आख्या संख्या 55/2746/14 के निर्माण हेतु 13025 हेठो के लिए धराएँ
144-1475 हेठो का नाम समरेखन के लिए धराएँ के लिए धराएँ द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड सरकार की
समरेखन का नाम प्रतीक्षा होता है इसके लिए धराएँ द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड सरकार की
समरेखन का नाम प्रतीक्षा होता है इसके लिए धराएँ द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड सरकार की
समरेखन का नाम प्रतीक्षा होता है इसके लिए धराएँ द्वारा दिया गया है। जो

जनपद उत्तराखण्डी में प्र0 ग्रा0 सड़क योजना में धरासू-चिन्यालीसौड़-जमेत मार्ग से बगोड़ी मोटर
मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

यहाँ लिया गया नाम विभाग की प्रतीक्षा होता है। यह अविवाहित मार्ग की नियमिती की
समरेखन का नाम है। इसके लिए धराएँ द्वारा दिया गया है। उत्तराखण्ड की लोक
निर्माण विभाग के लिए धराएँ द्वारा दिया गया है। जो

PC Attested


सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड लो० नि�० वि० नव शह० कर० दलाल सुन० विधि० गुमि०
उत्तराखण्डी

इस मार्ग का कठाना निर्माण विभाग द्वारा दिया गया लोक निर्माण विभाग के प्रयोग किये जाये।
जून 2014

समरेखन को समीप लिया गया समरेखन द्वारा दिया गया लोक निर्माण विभाग के प्रयोग किये जाये।

जनपद उत्तरकाशी में प्र० ग्रा० सड़क योजना मे॒ं धरासू-चिन्यालीसौड-जोगत मार्ग से बगोड़ी मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आव्या।

1. सिंचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग उत्तरकाशी के अन्तर्गत 2.850 कि०मी० लम्बाई मे॒ं धरासू चिन्यालीसौड जोगत मार्ग से बगोड़ी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड लोक निर्माण विभाग उत्तरकाशी के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 19.6.2014 को संबंधित सहायक अभियन्ता श्री के० सी० त्यागी एंव कनिष्ठ अभियन्ता शिवराज रावत के साथ निरीक्षण किया गया।
2. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-13 के अन्तर्गत धरासू चिन्यालीसौड जोगत मोटर मार्ग से बगोड़ी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि पूर्व मे॒ं फेज-7 मे॒ं मार्ग के निर्माण हेतु मार्ग समरेखन एंव भूगर्भीय आव्या स्वीकृत थी, किन्तु बाद मे॒ं सम्बंधित ग्रामवासियों के विरोध के कारण समरेखन मे॒ं उनके अनुसार परिवर्तन किया गया है। अब प्रस्तावित समरेखन संख्या एक धरासू-चिन्यालीसौड-जोगत मोटर मार्ग के कास सैक्षण 19/27 से 1:22 के ग्रेड मे॒ं हिलसाईड मे॒ं आरम्भ होता है तथा निर्धारित 2.850 कि० मी० दूरी के पश्चात समरेखन बगोड़ी गांव के नीचे खेतो मे॒ं समाप्त होता है। समरेखन मे॒ं दो हेयर पिन बैण्ड्स प्रस्तावित है, जो क्रमशः कास सैक्षण 0/23 तथा 1/01 मे॒ं दिये गये है। अलग-अलग भाग मे॒ं समरेखन वन भूमि एंव नाप भूमि से होकर गुजरता है। अवगत कराया गया कि मार्ग के निर्माण हेतु 1.1025 है० वन भूमि एंव 1.1475 है० नाप भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता होगी। वन भूमि मे॒ं पहाड़ी ढलान सामान्यतः 35° से 60° के मध्य प्रतीत होता है, जब कि नाप भूमि मे॒ं यह अपेक्षाकृत कम (25°-45°) है। समरेखन को कोई सक्रिय नाला/गधेरा पार नहीं करता है, अतः मार्ग के निर्माण हेतु किसी पुल आदि की आवश्यकता नहीं है। समरेखन क्षेत्र मे॒ं मुख्यतः संधियुक्त क्वार्टजाईट चट्टान है जिनके ऊपर स्थान - स्थान पर मिट्टी/डेब्री का ओवरवर्डन है। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र मे॒ं प्रथम दृष्ट्या कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नहीं हुई।
3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू-आकृति एंव उक्त प्रस्तर मे॒ं वर्णित तथ्यों को ध्यान मे॒ं रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण मे॒ं सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।
 - (क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य मे॒ं मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराये जायें।
 - (ख) मार्ग के आरम्भ मे॒ं टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि मे॒ं सावधानीपूर्वक बनाया जाये।
 - (ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन मे॒ं प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि मे॒ं सावधानीपूर्वक बनाये जाये।
 - (घ) मोटर मार्ग का कटान तथा उससे उत्पन्न मलवे का निस्तारण सावधानीपूर्वक किया जाये जिससे नीचे स्थित धरासू-जोगत मोटर मार्ग क्षतिग्रस्त न हो।
 - (ङ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

PC Attested

सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड लो० नि० दि०
उत्तरका०

- (च) समरेखन में तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग को यथासम्भव बचाया जाये, अन्यथा उस भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।
- (छ) जहां मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमज़ोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ-साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये जिससे किसी प्रकार की अस्थिरता उत्पन्न न हो।
- (ज) जहाँ आवश्यक हो मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये जिससे ढलान पर भूक्षण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सके।
- (झ) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एंव स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षण न हो।
- (झ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एंव विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।
4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दु:-
- (क) मार्ग के कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।
- (ख) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सक्रिय हो सकते हैं तथा नई दराएं भी उत्पन्न हो सकती हैं, जिनके कारण विपरीत परिस्थितियों में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।
5. धरासू-चिन्यालीसौड-जोगत मार्ग से बगोड़ी मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 2.850 कि०मी० लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:-

- (1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एंव खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।
- (2) मुख्य अभियन्ता, स्तर-1, लो०नि०वि०, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एंव समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(1)याता०-उ०/०५ दि० 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

PC Attested



सहायक अभियन्ता
सिंचाइ खण्ड लो० नि० वि०
उत्तरकाशी

H. Kumar 27.6.14
वरिष्ठ भौवैज्ञानिक
द्वारालय प्रमुख अभियन्ता
लो० नि० वि० उत्तराखण्ड
देहरादून